चिट्ठी आती है ना तार आता है | BY Sanjay Agarwal

चिट्ठी आती है ना तार आता है
फिर भी खाटू दर्शन को संसार जाता है

वो खाटू में बैठा बैठा कैसा जादू चलाता है
हमें हर ग्यारस की ग्यारस वो खाटू खींच लाता है
ईमेल आता है ना कॉल आता है
फिर भी खाटू दर्शन को संसार जाता है

वो जो भी खाटू में जाकर एक निशान चढ़ाते हैं
वो मेरी श्याम की कृपा से हर पल मौज उड़ाते है
फेसबुक में है ना व्हाट्सप्प में खाता है
फिर भी खाटू दर्शन को संसार जाता है

कहे संजय बुलाये बिन तेरे हम खाटू जाते हैं
ज़रा सोचो तेरे प्रेमी तुझे कितना बुलाते हैं
तुझे बुलाने प्रेमी तेरे दर पर जाता है
फिर भी भक्तों की कुटिया में क्यों नहीं आता है
चिट्ठी आती है ना तार आता है
फिर भी खाटू दर्शन को संसार जाता है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%bf%e0%a4%9f%e0%a5%8d%e0%a4%a0%e0%a5%80-%e0%a4%86%e0%a4%a4%e0%a5%80-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a4%be%e0%a4%b0-%e0%a4%86%e0%a4%a4%e0%a4%be-%e0%a4%b9%e0%a5%88-by/